भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 264 का उत्तर

रेलवे में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट

264. डॉ. रानी श्रीकुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में रेलवे में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के रिक्त पदों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इतनी बड़ी संख्या में रिक्तियों के क्या कारण हैं;

(ख) लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों से एक दिन, सप्ताह और महीने में औसतन कितने घंटे काम कराया जाता है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को लोको पायलटों की शिकायतों की जानकारी है कि उन्हें मुख्यालय में 16 घंटे का अनिवार्य विश्राम और साप्ताहिक विश्राम के लिए 30 घंटे का अनिवार्य समय नहीं दिया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों को पर्याप्त विश्राम सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

s.k

रेलवे में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में डॉ. रानी श्रीकुमार के अतारांकित प्रश्न सं. 264 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालनिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकी में परिवर्तनों, यांत्रिकीकरण और अभिनव प्रक्रियाओं के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति प्रदान की जाती है। इन रिक्तियों को परिचालनिक व प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुसार मुख्यतः रेलवे द्वारा भर्ती एजेंसियों को मांग-पत्र भेजकर भरा जाता है।

कोविड-19 के कारण लागू प्रतिबंधों में ढील देने के बाद, दो बड़ी परीक्षाओं जिनमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया, का बिना किसी अप्रिय घटना या अनियमितता के सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

1.26 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) 28.12.2020 से 31.07.2021 तक 7 चरणों में 211 शहरों और 726 केंद्रों में 68 दिनों में 133 पालियों में आयोजित की गई थी।

इसी तरह, 1.1 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा 17.08.2022 से 11.10.2022 तक 5 चरणों में 191 शहरों और 551 केंद्रों में 33 दिनों में 99 पालियों में आयोजित की गई थी।

इन परिक्षाओं के आधार पर, रेलों में 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई है।

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर लोगों और संसाधनों को जुटाना तथा जनशक्ति को प्रशिक्षण देना शामिल होते हैं। रेलवे ने इन

सभी चुनौतियों को पार किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

2004-14 की तुलना में 2014-2024 के दौरान भारतीय रेलों पर की गई भर्ती निम्नानुसार हैः-

अवधि	भर्तियां
2004-14	4.11 लाख
2014-24	5.02 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए इस वर्ष वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। तदनुसार, सहायक लोको पायलटों, तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों के पदों को भरने के लिए जनवरी से मार्च 2024 के दौरान 32,603 रिक्तियों के लिए चार केंद्रीकृत अधिसूचनाएं अधिसूचित की गई हैं। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत करने से अभ्यर्थियों को निम्नानुसार लाभ होगा:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

रेल अधिनियम, 1989 के अंतर्गत प्रतिपादित किए गए रेल सेवक (कार्य के घंटे और विश्राम की अवधि) नियम, 2005 में रेल सेवकों और उनकी ड्यूटी रोस्टर तैयार करने में अपनाई जाने वाली ड्यूटी के घंटों और विश्राम की अवधि हेतु वर्गीकरण संबंधि प्रावधान भी निहित

है। कार्य के घंटे, रात्रिकालीन ड्यूटियों की संख्या, बाह्य स्टेशन विश्राम हेतु सुविधा, मुख्यालय में विश्राम की संख्या और घंटे अच्छी तरह से परिभाषित हैं और बारीकी से नज़र रखी जाती है।

लोको रनिंग क्रू की कार्य परिस्थितियों में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं और गाड़ी परिचालन की संरक्षा में सुधार के लिए की गई पहलकदमियां निम्नानुसार हैं:

(1) रेलइंजन रनिंग कर्मचारियों के विश्राम के लिए और उनके कार्य को सुगम बनाने के लिए रेलइंजनों में सुधार:

रेलइंजन रनिंग कर्मचारियों के कार्यों की कठिन प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कई कदम उठाए गए हैं और निष्पादित किए गए हैं जो निम्नानुसार हैं:

क. रेलइंजन और सहायक लोको पायलट के बेहतर विश्राम के लिए बेहतर सीट और ड्राइवर डेस्क जैसी श्रम दक्षता डिजाइन सुविधाओं वाले थ्री फेज रेलइंजनों का उत्पादन पिछले 10 वर्षों में अर्थात् 2014 से बढ़ा है, 7,286 थ्री फेज रेलइंजनों का विनिर्माण किया गया है, जबकि 2014 से पहले 719 रेलइंजनों का विनिर्माण किया गया था।

ख. 2017-18 से विनिर्मित सभी नए रेलइंजनों में वातानुकूलित कैब उपलब्ध कराई गई हैं। अब तक 7,000 से अधिक रेलइंजनों में एयर कंडीशनर उपलब्ध कराए गए हैं।

ग. विनिर्मित किए जा रहे सभी नए रेलइंजनों में लोको पायलट के सतर्क न रहने की परिस्थिति में, लोको पायलटों की निगरानी करने और चेतावनी देने के लिए प्रौद्योगिकीय सहायक उपकरण के तौर पर सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) लगाए गए हैं। 2014 से, 12,000 से अधिक (10,521 बिजली + 1,873 डीजल) रेलइंजनों में वीसीडी उपलब्ध कराया गया है।

घ. लोको पायलटों को तकनीकी सहायक उपकरण के तौर पर पोर्टेबल जीपीएस आधारित फॉग सेफ डिवाइस (एफएसडी) प्रदान किया जा रहा है ताकि आने वाले सिगनलों और महत्वपूर्ण स्थलों के नाम और उनकी दूरी का पता लगाया जा सके। 2014 से, भारतीय रेल में 21,742 अदद एफएसडी उपलब्ध कराए गए हैं।

ङ. कोहरे के मौसम के दौरान स्टॉप सिगनल की आसानी से पहचान करने के लिए तथा लोको पायलटों पर दबाव कम करने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों में स्टॉप सिगनलों से दो मास्ट पहले सिग्मा आकार के रेट्रो-रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप उपलब्ध कराए गए हैं।

(2) रनिंग कर्मचारियों के विश्राम की गुणवत्ता में सुधार :

रनिंग रूम में रनिंग कर्मचारियों के विश्राम की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए पिछले 10 वर्षों में कई कदम उठाए गए हैं जो निम्नानुसार हैं:

क. सभी 558 रनिंग रूम वातानुकूलित कर दिए गए हैं।

ख. रनिंग कर्मचारियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विश्राम के लिए योग और ध्यान कक्ष, समाचार पत्र और पत्रिकाओं के साथ रीडिंग रूम की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

ग. रनिंग रूम में किफायती दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाले भोजन की व्यवस्था।

घ. रनिंग रूम में आरओ वाटर फिल्टर की उपलब्धता।

ङ. महिला चालक दल के लिए अलग कमरा।

च. लोको पायलटों को कैब में लंबे समय तक खड़े रहकर रेलपथ और सिगनल पर लगातार नज़र रखनी पड़ती है। कैमटेक की रिपोर्ट के आधार पर, रनिंग रूम में फुट मसाजर आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं ताकि लोको पायलटों को उचित विश्राम मिल सके।

s.k

(3) रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा में सुधार के लिए अन्य प्रौद्योगिकीय सहायक उपकरण:

क. लोको पायलटों के ड्राइविंग कौशल और प्रतिक्रिया समय में सुधार करने के लिए सिमुलेटर आधारित प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है।

ख. चालक दल की सुविधा के लिए 'चालक दल' नामक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित की गई है। ऐप को 2023 में संशोधित किया गया है, ताकि चालक दल को रनिंग ड्यूटी, साइन ऑन/साइन ऑफ, लोको ट्रबल शूटिंग डायरेक्टरी और रेलगाड़ी परिचालन के दौरान अपेक्षित अन्य दस्तावेजों, जिन्हें अन्यथा हार्ड कॉपी में ले जाना होता था, से संबंधित अपनी सारी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

(4) रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा में सुधार के लिए अन्य उपाय :

क. रनिंग कर्मचारियों की सतर्कता और संरक्षा संबंधी जागरूकता की जांच के लिए विभिन्न संरक्षा अभियान और विशेष परामर्श कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। रनिंग कर्मचारियों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण विश्राम की भूमिका के बारे में उन्हें शिक्षित करने के लिए रनिंग कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों के साथ संवाद हेतु विशेष संरक्षा संगोष्ठियां और बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

ख. रनिंग कर्मचारियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उन्हें परामर्श देने हेतु नियमित रूप से विशेष अभियान चलाए जाते हैं।

*****

s.k